आदिवासी मुद्दों पर कांग्रेस ने सीएम को सौंपा ज्ञापन

विशेष संवाददाता

भोपाल, 31 जुलाई. विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायक दल के आदिवासी प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कर आदिवासी समाज से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर ज्ञापन सौंपा.

प्रतिनिधिमंडल ने 9 अगस्त (विश्व आदिवासी दिवस) को राज्य में सार्वजनिक अवकाश घोषित करने, आदिवासी बहुल क्षेत्रों के शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई), छात्रावासों और स्वास्थ्य केंद्रों के निजीकरण पर तत्काल रोक लगाने की मांग भी की. इसके साथ ही रीवा जिला आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष की हत्या के आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की. प्रतिनिधिमंडल में फुंदेलाल मार्को, केदार डाबर, झूमा सोलंकी, संजय उइके और सुनील उइके शामिल थे.

मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद सिंघार ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने आदिवासी समाज से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाया. सिंघार के अनुसार मुख्यमंत्री ने सभी मांगों पर सकारात्मक आश्वासन दिया. उन्होंने कहा कि कांग्रेस आदिवासी समाज के संवैधानिक अधिकारों, सम्मान और हितों की रक्षा के लिए अपना संघर्ष आगे भी जारी रखेगी.

सीएम 7 को करेंगे प्रथम जन-विश्वास दौरा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सात अगस्त को छिंदवाड़ा में प्रथम जन-विश्वास दौरे के तहत आयोजित जिला स्तरीय समाधान कार्यक्रम में शामिल होंगे. इस दौरान वह मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज चयनित शिकायतकर्ताओं से व्यक्तिगत रूप से संवाद कर उनकी समस्याओं के निराकरण की समीक्षा करेंगे. समाधान कार्यक्रम के लिए शिकायतों का चयन कर उनका प्राथमिक स्तर पर परीक्षण एवं निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है. निराकृत शिकायतों के आधार पर चयनित शिकायतकर्ताओं को कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाएगा, जहां मुख्यमंत्री स्वयं उनसे चर्चा कर समाधान की स्थिति का आकलन करेंगे. राज्य सरकार के अनुसार मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान का उद्देश्य शासन और नागरिकों के बीच विश्वास को सुदृढ़ करना, शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करना तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा करना है. सरकार का कहना है कि मुख्यमंत्री का यह जन-विश्वास दौरा नागरिकों से प्रत्यक्ष संवाद और उत्तरदायी सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल होगी. मुख्यमंत्री इस अवसर पर जिले में विकास कार्यों तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक भी करेंगे. इसके अलावा वह उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ उद्योग संवाद में भाग लेकर निवेश, औद्योगिक विकास और रोजगार से जुड़े विषयों पर चर्चा करेंगे.

तेंदुए का हमला : बालक की 21 दिन बाद मौत

बड़वानी. जिले में तेंदुए के हमले में घायल नौ वर्षीय बालक की 21 दिन बाद मृत्यु हो गई. प्रारंभिक स्तर पर रेबीज की आशंका जताई जा रही है, हालांकि मौत के वास्तविक कारण की पुष्टि विसरा जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी. घटना के बाद वन विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है. सेंधवा के अनुविभागीय वन अधिकारी ने बताया की सात जुलाई को मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र सीमा से लगे बिजासन क्षेत्र के मोहरतमाल गांव के दो बच्चे, नौ वर्षीय कुणाल और 10 वर्षीय अरुण, बकरियां चराने जंगल गए थे. वहां विश्राम कर रहे तेंदुए ने दोनों पर हमला कर दिया. हमले में कुणाल के चेहरे पर गंभीर चोटें आईं, जबकि अरुण के शरीर के अन्य हिस्सों पर काटने के निशान आए.

कम दबाव के असर से प्रदेश में बारिश का दौर तेज

40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की चेतावनी

नवभारत न्युज

भोपाल, 31 जुलाई. पश्चिमी विदर्भ और दक्षिण मध्यप्रदेश के ऊपर बने कम दबाव के क्षेत्र ने पूरे मध्यप्रदेश में मानसून को फिर से सक्रिय कर दिया है. इसी सिस्टम के असर से प्रदेश के कई हिस्सों में लगातार बारिश हो रही है और अगले 24 घंटे तक इसका असर बना रहने की संभावना है.

मौसम विभाग ने कई जिलों में भारी बारिश, बिजली चमकने और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की चेतावनी जारी की है. विभाग के अनुसार यह सिस्टम धीरे-धीरे कमजोर होगा, लेकिन मानसून की सक्रियता अगले कुछ दिन बनी रहेगी.

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी मिलने के कारण प्रदेश के ऊपर बादलों का घना जमाव बना हुआ है. कम दबाव का क्षेत्र पश्चिम की ओर बढ़ रहा है, जिससे मध्य प्रदेश के मध्य, पश्चिम और दक्षिण हिस्सों में बारिश का दायरा बढ़ गया है. इसी वजह से कई जिलों में रुक-रुककर बारिश हो रही है, जबकि कुछ स्थानों पर तेज बारिश देखने को मिली.

> राजधानी भोपाल में शुक्रवार सुबह तक बीते 24 घंटे में अच्छी बारिश दर्ज की गई, जिससे जुलाई महीने की कुल वर्षा सामान्य से ऊपर पहुंच गई. शहर का अधिकतम तापमान 31.4 डिग्री और न्यूनतम 24.8 डिग्री सेल्सियस रहा. अगले 24 घंटे में भोपाल में बादल छाए रहेंगे. कई बार हल्की से मध्यम बारिश और कुछ इलाकों में तेज बारिश की संभावना है. हवा 14 से 16 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती है.

नशा विरोधी अभियान की एनसीबी ने की सराहना

विशेष संवाददाता

भोपाल, 31 जुलाई. नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित नशा विरोधी जनजागरुकता अभियानों की सराहना करते हुए इन्हें समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाली प्रभावी पहल बताया है.

शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय में एनसीबी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा से शिष्टाचार भेंट कर अभियान की उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की. बैठक में वर्ष 2026 में विस्तारित 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' अभियान की सफलता पर विचार-विमर्श किया गया. पुलिस महानिदेशक ने बताया कि इन अभियानों ने जनसहभागिता के बल पर एक व्यापक सामाजिक आंदोलन का रूप ले लिया है.

महाकाल मंदिर पहुंचे सवा दो लाख श्रद्धालु

उज्जैन, 31 जुलाई. उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर मंदिर में श्रावण मास के पहले दिन श्रद्धालुओं का अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ा. कड़ी सुरक्षा और व्यापक व्यवस्थाओं के बीच गुरुवार को दो लाख 23 हजार 542 श्रद्धालुओं ने भगवान महाकाल के दर्शन किए.

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अनुसार श्रावण मास में श्रद्धालुओं की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना बढ़ जाती है. श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम दर्शन के लिए मंदिर प्रबंध समिति, जिला प्रशासन, पुलिस तथा अन्य विभागों ने पार्किंग, जूता स्टैंड, 250 रुपये के शीघ्र दर्शन टिकटधारकों, कांवड़ यात्रियों, जल अर्पण, भस्म आरती तथा विभिन्न दर्शन मार्गों पर बैरिकेडिंग, संकेतक बोर्ड और सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए हैं. समिति के अनुसार श्रावण-भादौ मास के दौरान 30 जुलाई से सात सितंबर तक प्रतिदिन भगवान महाकाल की भस्म आरती के लिए मंदिर के पट प्रातः तीन बजे खोले जाएंगे, जबकि प्रत्येक सोमवार को पट प्रातः दो बजकर 30 मिनट पर खुलेंगे.

> भस्म आरती प्रतिदिन प्रातः तीन से पांच बजे तथा सोमवार को प्रातः दो बजकर 30 मिनट से चार बजकर 30 मिनट तक होगी. आठ सितंबर से मंदिर की समय व्यवस्था पूर्ववत लागू कर दी जाएगी. सामान्य दर्शन व्यवस्था के तहत श्रद्धालु त्रिवेणी संग्रहालय के समीप से नंदी द्वार, श्री महाकाल महालोक, मानसरोवर भवन, फेसिलिटी सेंटर-1, टनल परिसर, कार्तिक मंडपम और गणेश मंडपम होते हुए दर्शन करेंगे. नीलकंठ प्रवेश द्वार से आने वाले श्रद्धालु भी निर्धारित मार्ग से दर्शन कर निर्गम द्वार अथवा नवीन आपातकालीन निकास से बाहर निकलेंगे.

गोहद तहसीलदार की कार पर हूटर, 10 हजार का चालान

भिण्ड, 31 जुलाई. जिले में यातायात नियमों के उल्लंघन पर मोबाइल कोर्ट की कार्रवाई के दौरान गोहद तहसीलदार की सरकारी कार पर अवैध रूप से हूटर लगा मिलने पर न्यायिक मजिस्ट्रेट ने 10 हजार रुपये का चालान किया और मौके पर ही हूटर उतरवा दिया.

अभियान के दौरान कुल 38 वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 70 हजार 200 रुपये का जुर्माना वसूला गया. गोहद अनुभाग में पदस्थ तहसीलदार राकेश श्रीवास्तव अपनी सरकारी कार से भिण्ड से गोहद की ओर ड्यूटी पर जा रहे थे. इसी दौरान मेहगांव क्षेत्र में भिण्ड-ग्वालियर नेशनल हाईवे-719 पर न्यायिक मजिस्ट्रेट स्वाति बघेल के नेतृत्व में मोबाइल कोर्ट के माध्यम से विशेष वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था.

जांच के दौरान तहसीलदार की सरकारी कार पर मोटर वाहन नियमों के विपरीत हूटर लगा पाया गया. इस पर न्यायिक मजिस्ट्रेट ने 10 हजार रुपये का चालान करते हुए वाहन से तत्काल हूटर हटवाया. अभियान में न्यायालयीन स्टाफ तथा मेहगांव थाना प्रभारी रविन्द्र शर्मा के नेतृत्व में पुलिस बल भी मौजूद रहा. टीम ने हाईवे से गुजरने वाले वाहनों की सघन जांच की. कई वाहनों से काली फिल्म हटवाई गई तथा दस्तावेजों और यातायात नियमों के पालन की जांच की गई.

दो कुख्यात बदमाश छह माह के लिए जिलाबदर

शिवपुरी. जिले में जिला प्रशासन ने दो कुख्यात एवं आदतन अपराधियों को छह माह के लिए जिलाबदर करने का आदेश जारी किया है. आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जिला मजिस्ट्रेट एवं कलेक्टर अर्पित वर्मा ने पुलिस की अनुशंसा पर बैराड़ थाना क्षेत्र के अनिकेत रावत तथा पिछोर थाना क्षेत्र के राहुल केवट को छह माह के लिए शिवपुरी जिले की सीमा से बाहर रहने का आदेश दिया है. सूत्रों के अनुसार दोनों के विरुद्ध विभिन्न आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं और उनकी गतिविधियों को देखते हुए जिलाबदर की कार्रवाई की गई है. इस दौरान वह संबंधित जिलों में निवास नहीं कर सकेगा.

'नशे से दूरी है ज़रूरी' अभियान का समापन

मध्यप्रदेश पुलिस ने बनाए पाँच विश्व रिकॉर्ड

विशेष संवाददाता

भोपाल, 31 जुलाई. मध्यप्रदेश पुलिस का 15 दिवसीय राज्यव्यापी जन-जागरूकता अभियान 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' शनिवार को पाँच विश्व रिकॉर्ड के साथ संपन्न हो गया.

15 से 30 जुलाई तक चले इस अभियान को प्रदेश में नशे के विरुद्ध अब तक के सबसे बड़े जन-जागरूकता अभियानों में शामिल माना जा रहा है, जिसने व्यापक जनसहभागिता के बल पर सामाजिक आंदोलन का रूप ले लिया. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व तथा पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में संचालित अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे की लत से दूर रखना, नशा मुक्ति, परामर्श एवं पुनर्वास को बढ़ावा देना तथा समाज में पुलिस की सहभागितापूर्ण भूमिका को सशक्त बनाना था.

अभियान के दौरान प्रदेशभर के स्कूलों, कॉलेजों, गांवों और शहरों में रैलियां, नुक्कड़ नाटक, कार्यशालाएं, शपथ समारोह, डिजिटल जागरूकता अभियान, रेडियो कार्यक्रम और जनसंपर्क गतिविधियां आयोजित की गईं. स्वयंसेवी संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थानों, विभिन्न शासकीय विभागों, युवा संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने इसमें सक्रिय भागीदारी निभाई.

पुजारी नियुक्ति की 2019 की पॉलिसी को चुनौती

जबलपुर, 31 जुलाई. मप्र हाईकोर्ट में सरकार द्वारा नियंत्रित मंदिरों में पुजारियों की नियुक्ति में एसटी-एससी और ओबीसी वर्ग को अवसर नहीं दिए जाने का आरोप लगाते हुए याचिका दायर की गई है. एक्टिंग चीफ जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने मामले में राज्य सरकार को जवाब पेश करने चार सप्ताह की मोहलत दी है.

यह जनहित याचिका अजाक्स भोपाल के सचिव एमसी अहिरवार की ओर से दायर की गई है. जिसमें मध्य प्रदेश सरकार के नियंत्रण वाले मंदिरों में पुजारियों की नियुक्ति की प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए हैं. याचिकाकर्ता का कहना है कि राज्य सरकार के धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के प्रमुख सचिव ने 4 फरवरी 2019 को एक आदेश जारी किया था. इसके माध्यम से सरकार द्वारा नियंत्रित मंदिरों में पुजारियों की नियुक्ति को लेकर नीति निर्धारित की गई थी. इसी नीति और उसके तहत होने वाली नियुक्तियों को लेकर याचिका में आपत्ति जताई गई है. याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि पुजारी पद पर नियुक्ति की प्रक्रिया में केवल ब्राह्मण समुदाय को स्थान दिया जा रहा है, जबकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों की अनदेखी की जा रही है. याचिका में दावा किया गया है कि जाति के आधार पर अन्य वर्गों को पुजारी बनने के अवसर से वंचित करना उनके अधिकारों का उल्लंघन है. इसी आधार पर हाईकोर्ट से राज्य सरकार की पुजारी नियुक्ति व्यवस्था की समीक्षा करने की मांग की गई है.

पति की हत्या की आरोपी प्रोफेसर को झटका

जबलपुर. मप्र हाईकोर्ट से पति की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रही छतरपुर के सरकारी कॉलेज की पूर्व सीनियर व्याख्याता डॉ ममता पाठक को झटका लगा है. जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए पैरोल की अवधि 90 दिन और बढ़ाने की मांग को स्वीकार करने से इनकार कर दिया. एकलपीठ ने दायर याचिका खारिज करते हुए कहा कि एक ही राहत के लिए दूसरी बार दायर याचिका स्वीकार नहीं की जा सकती. हालांकि न्यायालय ने याचिकाकर्ता को पैरोल से संबंधित राहत के लिए छतरपुर कलेक्टर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करने की स्वतंत्रता दी है. डॉ. ममता पाठक छतरपुर के एक सरकारी कॉलेज में सीनियर लेक्चरार के पद पर कार्यरत थीं. उन पर 29 अप्रैल 2021 को अपने पति की करंट लगाकर हत्या करने का आरोप था. मामले में ट्रायल के बाद छतरपुर की संबंधित अदालत ने 29 जून 2022 को उन्हें दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी. इस सजा को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में अपील दायर की गई थी, लेकिन 29 जुलाई 2025 को हाईकोर्ट ने अपील खारिज कर दी थी.

नवीन तत्काल टोकन व्यवस्था आज से

दलालों पर लगेगी लगाम

भोपाल, 31 जुलाई. पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल में तत्काल आरक्षण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और यात्री-केंद्रित बनाने के लिए नई टोकन प्रणाली शनिवार, 1 अगस्त से लागू होगी. नई व्यवस्था के तहत सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों पर एसी तत्काल टिकट के लिए सुबह 8:30 से 9:00 बजे और नॉन-एसी के लिए 9:00 से 9:30 बजे तक टोकन वितरित किए जाएंगे.

प्रत्येक काउंटर पर एसी के लिए अधिकतम 10 और नॉन-एसी के लिए 15 टोकन जारी होंगे. नई व्यवस्था में स्वयं और निकट पारिवारिक सदस्यों के लिए टिकट कराने वालों को प्राथमिकता 'ए' श्रेणी में रखा गया है, जबकि अन्य आवेदक प्राथमिकता 'बी' में शामिल होंगे. टोकन निर्धारित क्रम से जारी होंगे और पहले 'ए' श्रेणी के यात्रियों का कार्य पूरा किया जाएगा. प्रत्येक टोकन संबंधित काउंटर के लिए मान्य होगा और हस्तांतरणीय नहीं रहेगा. वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि इस व्यवस्था से वास्तविक यात्रियों को सुविधा मिलेगी और दलालों व बिचौलियों की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा. यात्रियों से निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने और अनधिकृत माध्यमों से टिकट बुकिंग से बचने की अपील की गई है.

आरपीएफ ने 70 हजार का लैपटॉप और बैग लौटाया

भोपाल. पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल में 'ऑपरेशन अमानत' के तहत आरपीएफ पोस्ट हरदा ने त्वरित कार्रवाई करते हुए करीब 70 हजार रुपये मूल्य का लैपटॉप, चार्जर और महत्वपूर्ण दस्तावेजों से भरा बैग उसके वास्तविक मालिक को सुरक्षित वापस सौंप दिया. यात्री हर्ष राठौर खंडवा से भोपाल की यात्रा के दौरान भीड़ के कारण ट्रेन बदलते समय अपना बैग सामान्य कोच में भूल गए थे. सूचना मिलते ही एएसआई रूपेन्द्र बुवाड़े और प्रधान आरक्षक जितेंद्र तिवारी ने हरदा स्टेशन पर ट्रेन की तलाशी लेकर बैग बरामद किया. आवश्यक पहचान और सत्यापन के बाद बैग यात्री को सौंप दिया गया.

ई-विकास प्रणाली को और प्रभावी बनाने समिति गठित

भोपाल. राज्य शासन ने ई-विकास (वितरण एवं कृषि उर्वरक आपूर्ति समाधान) प्रणाली के क्रियान्वयन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और किसान हितैषी बनाने के उद्देश्य से कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है.

समिति विभिन्न किसान संगठनों और कृषक प्रतिनिधियों से सुझाव लेकर एक सप्ताह के भीतर अपनी अनुशंसाएं शासन को सौंपेगी. समिति में प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ, आयुक्त नर्मदापुरम संभाग, कलेक्टर नर्मदापुरम, कलेक्टर हरदा तथा किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के उप सचिव को सदस्य-सचिव बनाया गया है. समिति ई-विकास प्रणाली के क्रियान्वयन में आने वाली व्यवहारिक और तकनीकी कठिनाइयों की समीक्षा करेगी तथा नर्मदापुरम और हरदा जिलों के भ्रमण के दौरान किसानों से सुझाव प्राप्त करेगी. साथ ही उर्वरक वितरण व्यवस्था को अधिक वैज्ञानिक, संतुलित और पारदर्शी बनाने के लिए आवश्यक सुधारों की अनुशंसा करेगी. आवश्यकता पड़ने पर विषय विशेषज्ञों और संबंधित अधिकारियों से भी विचार-विमर्श कर सुझाव लिए जाएंगे.

3 माह से राशन नहीं मिलने पर ग्रामीणों का प्रदर्शन

भिण्ड. जिले के गोहद क्षेत्र की ग्राम पंचायत तुकेड़ा में तीन माह से राशन नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने शुक्रवार को एसडीएम कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया और मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की. सरपंच मुरारी सिंह तोमर के नेतृत्व में पहुंचे ग्रामीणों ने नायब तहसीलदार राकेश कुमार श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपकर आरोप लगाया कि उचित मूल्य दुकान का संचालक पात्र हितग्राहियों को राशन देने के बजाय उसका दुरुपयोग कर रहा है. उनका कहना था कि कई हितग्राहियों से ई-पॉस मशीन पर अंगूठा लगवाने के बाद भी उन्हें खाद्यान्न नहीं दिया गया, जिससे गरीब परिवारों के सामने खाद्यान्न का संकट पैदा हो गया है.

पत्नी ने साथ चलने से किया इंकार छत पर कट्टा लेकर चढ़ा पति

ग्वालियर, 31 जुलाई. ससुराल वालों ने पत्नी को साथ भेजने से इंकार कर दिया तो एक शख्स कट्टा लेकर मकान की छत पर चढ़ गया. स्वयं को और ससुराल वालों का गोली मारने की धमकी देने लगा है. उसे उतारने के लिये 3 थानों की पुलिस को बुलाना पड़ा.

लगभग 1.30 बजे घंटे की मशक्कत के बाद एक टीआई ने उसे बहला-फुसलाकर मनाया और नीचे उतरा. घटना ग्वालियर के तिघरा थाना इलाके की सौजना गांव की है. बहोड़ापुरा थाना टीआई आलोक परिहार ने मुरैना जिले के जौरा निवासी जोगेन्द्रसिंह गुर्जर की ससुराल सौजना गांव में है. उसकी पत्नी कुछ समय से नाराज होकर मायके में रह रही थी. जोगेन्द्र सिंह पत्नी को वापिस ले जाने के लिये ससुराल पहुंचा. लेकिन वह नशे में था. उसकी हालत देखकर साले मृदुल ने बहन को साथ भेजने से इंकार कर दिया था. इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गयी थी. बहोड़ापुर थाना प्रभारी आलोक परिहार ने बताया कि आरोपी अपनी बेइज्जती का बदला ससुराल वालों से लेने की बात कहकर छत पर चढ़ गया था.

विश्व कैंसर दिवस तीसरे या चौथे स्टेज में होती है 70 % से अधिक लंग कैंसर की पहचान, सामान्य खांसी भी हो सकती है खतरनाक

महिलाओं में बिना धूम्रपान के ही बढ़ रहा लंग कैंसर

साक्षी केसरवानी

भोपाल, 31 जुलाई. सिगरेट, बीड़ी न पीने से आपके फेफड़े सुरक्षित हैं, यह एक भ्रम हो सकता है. वर्तमान में फेफड़ों का कैंसर (लंग कैंसर) केवल धूम्रपान करने वालों तक सीमित नहीं है. बल्कि पैसिव स्मोकिंग, बढ़ते प्रदूषण और रसोई के धुएं के कारण यह सभी को अपनी चपेट में ले रहा है.

नेशनल कैंसर रजिस्ट्री के आंकड़े बताते हैं कि पुरुषों में सबसे ज्यादा लंग कैंसर होता है. वहीं डॉक्टरों के मुताबिक वर्तमान में महिलाओं में भी लंग कैंसर तेजी से फैल रहा है. रिपोर्ट्स के मुताबिक

लंग कैंसर के शुरुआती लक्षणों को सामान्य खांसी या टीबी समझने की भूल से देशभर में करीब 70 % से अधिक मरीजों में बीमारी की पहचान तीसरे या चौथे चरण में हो पाती है.

इण्डियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में वर्ष 2022 के आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट के अनुसार भारत में पुरुषों में होने वाले कुल कैंसर में लंग कैंसर 10.6 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सबसे शीर्ष पर है. जबकि महिलाओं में यह 3.7 प्रतिशत के साथ 5 वें स्थान पर है. वहीं 40 से 64 वर्ष के पुरुषों में कैंसर के कुल मामलों में फेफड़ों का कैंसर 11 प्रतिशत और 65 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों में 13.1 प्रतिशत दर्ज किया गया है.

मप्र में 77.9 % पुरुष और 22.1 % महिलाएं पीड़ित

इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ मॉडर्न फार्मास्युटिकल रिसर्च के अनुसार भोपाल में वर्ष 2021 में कुल 1 हजार 114 मरीजों में से 49 यानी 4.4 प्रतिशत लंग कैंसर के थे. जबकि वर्ष 2022 में यह संख्या बढ़कर 1 हजार 781 हो गई. जिसमें 86 यानी 4.8 प्रतिशत मरीज लंग कैंसर से पीड़ित पाये गये. जिसमें 2022 में 77.9 % पुरुष और 22.1 % महिलाएं पीड़ित इससे पीढ़ित थी.

टीबी समझने की भूल पड़ रही भारी

कैंसर विशेषज्ञ डॉ योगेश्वर शुक्ला ने बताया कि लंग कैसर और टीबी के लक्षण एक जैसे होते हैं. जिसके कारण कई बार खांसी ठीक न होने पर डॉक्टरों द्वारा केवल एक्स-रे के आधार पर मरीज को बिना खखार (बलगम) की जांच के ही टीबी की दवाएं दे दी जाती हैं, जो नुकसानदायक है. मरीज को बिना खखार की जांच पॉजिटिव आये टीबी की दवा नहीं करनी चाहिए. बल्कि सिटी स्कैन करवाकर कैंसर की जांच करवानी चाहिए. जिससे शुरुआती स्टेज में ही सही बीमारी का पता चल सके.

धूम्रपान और प्रदूषण हैं मुख्य कारण

रिपोर्ट्स के अनुसार भारत में बीड़ी पीने वालों में लंग कैंसर का खतरा 2.64 गुना और सिगरेट पीने वालों में 2.23 गुना अधिक होता है. जबकि महिलाओं में धूम्रपान की दर केवल 1.3 प्रतिशत होने के बावजूद उनमें फेफड़ों के कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं. शोध बताते हैं करीब 37.5 प्रतिशत महिलाएं घरों में पैसिव स्मोकिंग (दूसरों के धुएं) का शिकार होती हैं. जिनमें लंग कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा 3, इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल माहेश्वरी मार्ग, महाराणा प्रताप नगर, जोन-1, भोपाल से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स से मुद्रित. संपादक दिलीप झा*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-4939198, ईमेल-bhopalnav@gmail.com RNI Reg. No. 35046/56 डाक पंजीयन क्रमांक M.P/B.P.L/711/2012-14